Dainik Bhaskar (Indore), 11th November 2024, Page-01

प्रदेश में पहली बार • इंदौर-देवास सहित प्रदेश के 10 वन मंडलों पर विस्तृत रिसर्च होगी, इसरो से मिलेंगे फोटो, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय से राशि

आईआईटी की मदद से संवारेंगे प्रदेश के जंगल

हमारे जंगलों में पेड़ों की प्रजातियां कितनी, विविधताएं कितनी, इनकी ऊर्जा क्षमता कैसे बढ़ाएं... इन सवालों के जवाब खोजने वन विभाग कराएगा रिसर्च

राहुल दुबे | इंदौर

इंदौर सहित प्रदेश के 10 वनमंडलों के जंगल कितने सेहतमंद हैं ये कितनी ऊर्जा दे रहे हैं, इस पर अब विस्तृत रिसर्च की जाएगी। आईआईटी इंदौर और वन विभाग मिलकर यह शोध करेंगे। इसमें इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन (इसरो) जंगलों का सटीक डाटा मुहैया कराएगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय से इस प्रोजेक्ट के लिए फंडिंग मिलेगी।

इसके लिए आईआईटी के प्रोफेसर, भोपाल के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मुख्य वन संरक्षक, डीएफओ और रेंजर्स के बीच बैठक भी हो चुकी है।

डीएफओ महेंद्र सोलंकी के मुताबिक आईआईटी में रिमोट सेसिंग लैब द्वारा जंगलों की सैटेलाइट इमेज निकाली जा रही है। इनके आकलन से पता लगेगा कि जंगलों की क्षमता कैसे बढ़ाई जा सकती है। इस काम में तीन पीएचडी कर चुके विशेषज्ञ, 3 जूनियर रिसर्च फेलो, 2 अन्य जानकार शामिल रहेंगे।

700
वर्ग किमी में फैला है इंदौर का जंगल

2000
हेक्टेयर वनभूमि अधिग्रहित हो चुकी

10 साल का वर्किंग प्लान बनता है

सिमरोल, चोरल, महू, मानपुर के जंगल इंदौर को दे रहे प्राणवायु, अधिकांश समय हवा की दिशा इन्हीं की ओर से

एपीसीसीएफ बीएस अन्निगेरी कहते हैं, जंगलों की इस तरह बायोमास कैपेसिटी निकालने का काम पहली बार किया जा रहा है। खंडवा रोड, सिमरोल, चोरल, महू, मानपुर के जंगल इंदौर को प्राणवायु देने वाले हैं। हवा की दिशा अधिकांश समय इसी तरफ से रहती है। मास्टर प्लान में भी इस दिशा में इंडस्ट्री, कारखाना या प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग को अनुमति नहीं दी जाती है। तेजाजी नगर से इंदौर तक के अधिकांश हिस्से को ग्रीन बेल्ट में रखा गया है।

इंदौर में घने वन नहीं, चोरल में मॉडरेट जंगल

इंदौर वन मंडल में कहीं भी घना वन नहीं है। घने वन का मतलब दिन के 12 बजे भी जंगल में धूप जमीन पर नहीं पड़ना चाहिए। केवल चोरल में ही मॉडरेट जंगल है। यहां कई वन्य जीव भी रहते हैं।

चोरल बहुत संवेदनशील: मानपुर, चोरल, महू में बाघ व तेंदुओं की मौजूदगी बता रही है कि जंगलों की स्थिति ठीक है। चोरल का जंगल बहुत संवेदनशील है। यहां आए दिन अवैध कटाई के मामले सामने आते रहते हैं। जंगलों को काटकर खेत में तब्दील करने का काम बहुत होता है। बाघ और तेंदुए की मूवमेंट इस रेंज में ज्यादा है।

इन वन मंडलों की रिसर्च होगी

▪ इंदौर ▪ बुरहानपुर ▪ मंडला ▪ बालाघाट ▪ जबलपुर ▪ बैतूल ▪ सीधी ▪ देवास ▪ सीहोर ▪ शहडोल।